खबर संक्षेप

पानी का संकट गहराने लगा, नागरिक त्रस्त

शहडोल। बढ़ती गर्मी के साथ नगर के अंदर भी पानी का संकट गहराता जा रहा है। लोग पानी के लिए सुबह शाम डिब्बा बाल्टी लिए भटकते नजर आते हैं। इस समय व्यवस्था बनाने की सर्वाधिक आवश्यकता है, लेकिन नगरपालिका में कोई ध्यान देने वाला अधिकारी नहीं मिलता है। वार्ड पार्षद भी हाथ खड़ा कर देते हैं। वार्ड नंबर 14, 17, 19, 22, 33, 34 आदि सहित कई वार्डों में पानी का घोर संकट छाया हुआ है। वर्तमान समय में लगभग 11 टंकियों से पानी का वितरण किया जा रहा है, इसके बावजूद पानी का हाल बे हाल है। सोहागपुर, पाण्डवनगर की भी कुछ बस्तियों में पानी का घोर संकट है। लोग वाटर सप्लाई के समय टुल्लू पंप लगाकर पानी खींचने का प्रयास करते हैं लेकिन नगरपालिका धरपकड़ की कार्रवाई नही कर रही है। नगरपालिका में 6 टैंकर हैं लेकिन उनकी हालत खस्ता है, उनके माध्यम से भी पानी का वितरण नहीं हो पा रहा है। नागरिक चिंतित हैं कि अभी यह हाल है तो आने वाले भीषण गर्मी के महीने में क्या हाल होगा? न तो पानी की टंकियों से सप्लाई हो पा रही है और न टैंकर आ रहे हैं। नागरिकों के पास केवल हैण्डपंपों का सहारा रह जाता है।

चार माह में भी नहीं मिली स्वीकृति, कर्मचारी हो रहे परेशान

बजट बंद होने से ठप्प पड़ा रेलवे का जोनल वर्क

रेलवे कालोनी अधोसंरचना विकास व रखरखाव के लिए हर साल चलने वाला जोनल वर्क इस साल बंद पड़ा है। जिससे कालोनी के सारे निर्माण व विकास कार्य अवरुद्ध हो चुके हैं। इसके लिए रेलवे के अधिकारी बजट का अभाव बता रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा आवासीय मरम्मत व सफाई अभियान प्रभावित है।

शहडोल।

रेलवे कालोनी के कर्मचारी आवास इतने जर्जर हो चुके हैं कि वे गिरने की कगार पर पहुंच रहे हैं। रेल कर्मचारी और उनके परिजन इन्ही आवासों में रहने को विवश हैं। कालोनी में कर्मचारी आवासों की संख्या करीब 7 सौ है। इन आवासों के रखरखाव के लिए हर साल अनुमानित 1 करोड़ का ठेका होता था। लेकिन पिछले दो सालों से न तो ठेका हुआ और न आवासों की मरम्मत कराई गई। इसके अलावा कालोनी में बरसाती घास-फूस और गंदगी की भरमार है, लेकिन सफाई भी नहीं कराई जा रही है। गत माह यहां सीवर लाइन बिछाने के लिए सडक़ों की खुदाई का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन यह गैरनियोजित होने के कारण बंद करा दिया गया।

दिसंबर से बंद पड़ा काम

बताया गया कि रेलवे में जोनल कार्यों की अपनी एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसके लिए बजट निर्धारित कर प्राथमिकता के अनुरूप चिन्हित कार्य कराए जाते हैं। इस बार दिसंबर 2024 में ही बजट खतम हो गया था, तब से अभी तक बजट का आवंटन नहीं किया गया है। जबकि अप्रैल का महीना बीत रहा है, बजट के बिना कार्यकरने वाला अमला हाथ पर हाथ धरे बैठा है। बिलासपुर मुख्यालय से अभी तक कोई संकेत भी नहीं मिल रहे हैं, जबकि कई बार मांग पत्र व जानकारियां भेजी जा चुकीं हैं। इस बार बजट की ढिलाई के कारण संभवतः वर्षा पूर्व कराए जाने वाले रखरखाव संबंधी कार्य भी नहीं हो सकेंगे। दूसरी ओर स्टेशन के निर्माणाधीन कार्य में भी काफी ढिलाई बरती जा रही है। बिलासपुर के अधिकारी मौका मुआयना नहीं कर रहे हैं।

राशि का भी होता था दुरुपयोग

जोनल वर्क के समय स्थानीय अधिकारी व कर्मचारी कभी कभी अपने मन के अनुरूप कार्य कराने का दबाव बनाकर मनमाना व्यय करा देते थे, इसकी शिकायत भी हुई थी। संभवतः इसीलिए बजट अभी रोक दिया गया है। पूर्व में हर साल आवास रिपेयरिंग के लिए लगभग 1 करोड़ का ठेका होता था और इसी राशि से ठेकेदारों द्वारा मरम्मत कराई जाती थी। लेकिन अब इधर दो वर्षों से ठेकेदार काम पर नहीं आ रहे हैं। इसका एक कारण यह है कि ठेके की राशि बड़े अधिकारी स्टेशन के इधर-उधर निर्माणों में व्यय कर देते हैं। जबकि आवासों की मरम्मत बाकी रह जाती है। बाद में न तो आवासों के लिए पैसा मिलता है और न मरम्मत होती है। यही नहीं आवासों के आसपास गंदगी का अम्बार लगा हुआ है, सफाई नहीं हो रही है। कर्मचारी और उनके परिजन परेशान हैं।

आवासों की हालत खस्ता

कालोनी के दर्जनों आवास ऐसे हैं जिनकी छप्परों में टीने या एसबेस्टास की सीटें लगी हुईं हैं, यह सीटें अत्यंत पुरानी होने के कारण ऊपर से फूट गईं हैं इनमें बड़े बड़े छेद हो गए हैं। वर्षा का पानी अंदर कमरों में घुसता है, मजबूरन रेल कर्मियों को अपने व्यय से इन्हे ढांकना या मरम्मत कराना पड़ा है। कुछ आवासों में इसीलिए छप्परों में पन्नियां बंधी दिखलाई पड़ती हैं। कई आवास ऐसे हैं जिनकी दीवारों में दरार सी निकल आई है, आवास दिनोदिन कमजोर होते जा रहे हैं। लेकिन रेल प्रशासन व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। नार्दन रेलवे की ओर तो दर्जनों आवास इसी कारण खाली पड़े हैं, कर्मचारी इन आवासों को छोडक़र अन्यत्र किराए के मकानों में रहने चले गए।

बरसात में करेंट का खतरा

कुछ रेल कर्मियों ने बताया कि उनके आवासों की विद्युत वायरिंग एकदम अस्त-व्यस्त हो गई है। तार झूलने लगे हैं और अत्यंत पुराने होने के कारण कहीं कहीं से कट भी गए हैं। इस कारण वर्षा के समय नमी पाकर दीवारों में करेंट आ जाता है। जिससे काफी खतरा बना रहता है। अधिकारियों से शिकायत करने पर वे सुधार कराने का आश्वासन तो देते हैं लेकिन स्थाई रूप से सुधार नहीं होता है। तात्कालिक व्यवस्था कर दी जाती है, बाद में फिर वही स्थिति निर्मित हो जाती है। कालोनी के अंदर स्थाई रूप से कोई सुधार कार्य नहीं होता, फैन्सिंग बाउण्ड्री के तार भी टूट रहे हैं, इन्हे न तो निकलवाया जा रहा है और न नई व्यवस्था कराई जा रही है। कर्मचारियों की समस्याएं बढ़ती जा रहीं हैं।

मातृ मृत्यु दर पर हुई समीक्षा बैठक, कर्मचारियों को दिए सख्त दिशा निर्देश

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. बी. चौधरी ने जिला अस्पताल के सभागार में मातृ मृत्यु दर की समीक्षा की। इस बैठक में मुख्य रूप से वर्ष 2024-25 में गर्भवती माताओं की हुई मृत्यु के कारणों पर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. चौधरी ने पिछले साल की मातृ मृत्यु दर के कारणों की गहनता से जांच की और गर्भवती माताओं की समय पर जांच और उनकी निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा, और यदि ऐसा हुआ तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में यह भी बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों में जिले में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है, जो एक सकारात्मक संकेत है, और यह दर्शाता है कि स्वास्थ्य विभाग ने सही दिशा में काम किया है।

बैठक में डीएचओ डॉ. चंदेल, डीसीएम रोहित सिंह बघेल, डीपीएच नर्सिंग अधिकारी अनुराधा पटेल, साथ ही ब्लॉक से बीपीएम, बीसीएम, संबंधित विकासखंड के सेक्टर सुपरवाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, और सीएचओ उपस्थित रहे।

परिचम बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का प्रदर्शन

राष्ट्रपति शासन की मांग, हिंसा की NIA से जांच और सीमा पर तारबंदी की मांग

शहडोल।

पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा और हिंदू समाज को निशाना बनाए जाने की घटनाओं को लेकर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, हिंदू एकता मंच, एवं अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा शहडोल जिला मुख्यालय पर विस्तृत विरोध प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, साधु-संत, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य द्वार पर एकत्र होकर जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को हिंदू विरोधी बताते हुए गंभीर आरोप लगाए। सभी संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा, जिसमें पश्चिम बंगाल की बिगड़ती कानून व्यवस्था, प्रशासनिक निष्क्रियता, और हिंदू समाज के खिलाफ हो रही हिंसा पर चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 11 अप्रैल 2025 को वक्फ कानून के विरोध की आड़ में मुर्शिदाबाद जिले में मुस्लिम भीड़ द्वारा सुनियोजित हमला किया गया, जिसमें हिंदुओं के 200 से अधिक घरों और दुकानों को लूटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि इस दौरान न केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या हुई, बल्कि सैकड़ों घायल हुए और महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। भय के चलते 500 से अधिक हिंदू परिवारों को पलायन करना पड़ा। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि पश्चिम बंगाल की प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह निष्क्रिय हो गई है, और कई स्थानों पर दंगाइयों को सहयोग दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दंगाइयों को संरक्षण देने, इमामों से बैठकें कर सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने और हिंदू शरणार्थियों की अनदेखी करने के आरोप भी ज्ञापन में दर्ज किए गए।

मूक मवेशियों की जान का दुश्मन बना रहमान, पशु तस्कर सिंडिकेट के सामने नतमस्तक खाकी

दो दर्जन थाने और दो से अधिक पुलिस रेंज को पार कर निकल रहे पशु लोड वाहन, शहडोल पुलिस रेंज का कोतमा और केशवाही बना पशु तस्करी का अभेद्य गढ़

पुलिस गिरफ्त से दूर पशु तस्करी का सरगना अब्दुल रहमान उर्फ़ बल्लु खान

शहडोल।

" संगठित अपराधों की दुनिया में पशु तस्करी एक बड़ा नाम बन चुका है और शहडोल संभाग इस संगठित अपराध का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। शहडोल पुलिस रेंज के साथ ही रीवा और उत्तर प्रदेश के कई पुलिस रेंज और दर्जनों थानों की सीमा को पार कर ले जाये जा रहे पशु लोड वाहनों ने यह साबित कर दिया है कि खाकी का इस सिंडिकेट के साथ तगड़ा तालमेल है, शायद यही वजह है कि कतिपय जिम्मेदार, ईमानदार अधिकारियों के तमाम प्रयासों के बावजूद इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगा पाने में खाकी यानी पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिल सकी है। तात्पर्य यह कि पशु तस्करी का अवैध कारोबार और उसके तस्कर नुमाइंदे शासन प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुके हैं। "

संभागान्तर्गत अनूपपुर जिले का कोतमा और शहडोल जिले का केशवाही पशु तस्करी का गढ़ बनकर रह गए हैं। आलम यह है की यहाँ से प्रतिदिन 200 से अधिक बेजुबान मवेशी उत्तर प्रदेश मे संचालित बूचड़ खाने पहुंच रहे है और इन बेजुबानो की निर्मम हत्या की जा रही है। मूक मवेशियों के खून के प्यासे इस काले कारोबार में बड़े-बड़े लोगों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। कोतमा और केशवाही की बात की जाए तो यहां भी कुछ ऐसे चेहरे चर्चित हैं जिनके बारे में पुलिस को बखूबी जानकारी है लेकिन इन तत्वों के खिलाफ पुलिस द्वारा अब तक कोई सख्त कार्यवाही नहीं की गई परिणाम स्वरुप यह अवैध कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ता ही चला जा रहा है।

विशिष्ट सेवा पर अभयदान

गौरतलब है कि पशु तस्करी का गढ़ कहे जाने वाले केशवाही-कोतमा से उत्तर प्रदेश के बीच दो दर्जन से अधिक थाने पड़ते हैं जो अलग- जिलों और पुलिस जोन में शामिल हैं बावजूद इसके ये सरगना पुलिस की पहुंच से दूर हैं। मुखबिरो के द्वारा समय समय पर जिम्मेदारों को इस बाबत सूचना भी दी जाती है बावजूद इसके पुलिस के द्वारा इनका गढ़ तोड़ने का प्रयास नहीं किया जाता बल्कि विशिष्ट सेवा के एवज में इन तस्करो को अभय दान दे दिया जाता है।

कार्रवाई का नमूना

अवैध धनलिप्सा का आलम यह है कि पुलिस का स्टॉफ ड्यूटी पर नहीं रहता, वह भी वाहन चेकिंग करने पहुंच जाता है और जो वाहन चालक सुविधा शुल्क दे देता है उसे सम्मान के साथ एरिया पास करा दिया जाता है और जिसके

द्वारा सुविधा शुल्क देने मे कोताही बरती जाती है उस पशु तस्करी कर रहे वाहन के ड्राइवर के ऊपर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए पीठ थप थपा ली जाती है और गाड़ी मालिक और और तस्करी करने वाले लोगों पर किसी भी तरह की कोई भी कार्यवाही नहीं की जाती है।

रहमान पर कौन मेहरबान

एक ओर जहां मध्यप्रदेश शासन के मुखिया, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुले मंच से पशु तस्करी एवं गौहत्या को गंभीरता से लेते हुए उसे पूरी तरह से बंद कराये जाने एवं उसमें संलिप्त शासन प्रशासन के लोगों को कड़ी कार्यवाही किये जाने की बात कर रहे है वहीं शहडोल संभाग के अनूपपुर जिले के कोतमाएवं शहडोल जिले के केशवाही से पशु तस्करी करने वाला उत्तर प्रदेश के मेरठ हाल मुकाम कोतमा का रहने वाला पशु तस्करी का सरगना पुलिस विभाग के जिम्मेदार अधिकारी पर लगातार सवाल खड़ा कर रहा है एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश को हवा में उड़ाता ही जा रहा है। मुख्यमंत्री की मंशा पर लगातार पानी फेर रहे मेरठ के रहमान उर्फ बल्लू खान को किसका संरक्षण प्राप्त है जो बेरोक-टोक इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहा है। सवाल यह भी उठता है कि अब तक आखिर इस व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं हो पा रही है क्या ऐसा कोई भी नहीं है जिनके पंख गुड़ में न लिपटे हों।

तस्करों की लंबी फहरिश्त

जानकार सूत्रों के मुताबिक इस पूरे पशु तस्करी के खेल में कोतमा से लेकर कटनी जिले के विजयराघवगढ़ के समीप टिकर तक के कई लोग शामिल हैं जिनमें से कुछ प्रमुख के नाम अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू खान, वाजिद कुरैशी निवासी कोतमा, साजिद खान निवासी कौशांबी उत्तर प्रदेश हाल मुकाम निवासी सतना,पंकज सिंह कटरा, बाबा खान निवासी नौरोजाबाद जिला उमरिया,मोबीन खान निवासी टीकर थाना बिजराघौवगढ़ जिला कटनी हैं। सूत्रों से मिली जानकारी पर यदि विश्वास किया जाए तो यह सभी अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू खान के मुख्य चहेते शोहदों के रूप में पशु तस्करी में भूमिका निभा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक पशु तस्करी में संलग्न वाहनों के आगे पायलट वाहन यूं चलता है जैसे पीछे कोई राज्यपाल, मुख्यमंत्री, या मंत्री आदि आ रहे हों। पायलट वाहन रास्ता क्लियर करता जाता है अगर रास्ते में कहीं खतरा दिख रहा है या पुलिस टीम जांच करती पाई जाती है तो तस्करी वाहन को या तो रोक दिया जाता है अथवा दूसरे रास्ते से घुमा दिया जाता है। कोतमा से लेकर इस पशु तस्करी के बड़े खेल में पलेटिंग वाहनों के रूप में स्कॉर्पियो, बोलेरो, स्विफ्ट कार एवं बलेनो जैसे कीमती वाहनों का उपयोग किया जाता है।

मैनेजमेंट के शूरमां

सूत्रों से मिली खबरों पर यदि यकीन किया जाए तो कोतमा में मैनेजमेंट से लेकर पशु लोडिंग की महत्वपूर्ण भूमिका कई दबंग निभा रहे हैं। अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू खान के इन दबंग सहित गुड़गांव में जो नाम सर्वाधिक चर्चित हैं उनमें आफताब कुरेशी, लखन लाल साहू के नाम महत्वपूर्ण हैं, वही कोतमा से लेकर कटनी जिले की सीमा तक की पायलटिंग करने वालों में कलाम खान उर्फ राज्जे, अजीम खान की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। सब कुछ जानते हुए भी कोतमा पुलिस किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही नहीं करती है अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस पूरे खेल का मेंन सरगना अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू खान का इतना बड़ा पशु तस्करी का खेल चल रहा है लेकिन अपराधी तक आखिर कोतमा पुलिस क्यों नहीं पहुंच पा रही है। इसके अलावा साजिद खान, मोबीन खान सतना वाले भी फर्स्ट तस्करी के कारोबार में आम भूमिका निभाने और पशु तस्कर वाहनों को थानों की सीमा से पर करने में आम भूमिका निभा रहे हैं जिनको अपना हिस्सा समय पर मिलता रहता है।

थाना, जिला, रेंज सब अरेंज

सबसे बड़ा सवाल यह है जानकारी के मुताबिक बल्लू खान के नुमाइंदों के द्वारा मुखबिर को भी जान से मारने की कई बार धमकी मिल चुकी है अभी हाल ही में उमरिया जिले की पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस के निर्देश और एसडीओपी के कुशल मार्गदर्शन में मानपुर पुलिस ने अवैध पशु तस्करी करते दो पिकअप वाहन और एक डीसीएम वाहन को जप्त कर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है वही उमरिया सिविल लाइन चौकी पुलिस एवं उमरिया कोतवाली के द्वारा भी एक-एक वाहन को जप्त कर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है इसके बाद भी पशु तस्करों के हौसले बुलंद हैं लगातार पशु तस्करी जोरों पर जारी है लेकिन इन पर अभी भी जिस प्रकार से लगाम लगनी चाहिए लगाम नहीं लग रही है, आखिर इस पूरे पशु तस्करी के खेल में कितने नेता कितने पुलिस के कर्मचारी एवं कितने और पशु तस्कर शामिल हैं यह तो कह पाना निश्चित नहीं है लेकिन यह जरूर है की मध्य प्रदेश का शहडोल संभाग का कोतमा पशु तस्करी के लिए सुर्खियों में है और इस पशु तस्करी के खेल को रोकने में यदि यह कहा जाए कि शहडोल संभाग की पुलिस नाकाम सी साबित हो रही है तो कम नहीं होगा। पशु तस्करी सिंडिकेट की सक्रियता और व्यापकता को देखकर आम लोगों को यही लगता है कि थाना हो या जिला अथवा रेंज पशु तस्करों ने सब को सुविधा शुल्क देकर अरेंज कर लिया है और जिसका खामियाजा मूक मवेशियों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है। सवाल यह उठता है कि गौ वंश की रक्षा एवं उनके संरक्षण संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध डॉक्टर मोहन यादव सरकार निरीह मवेशियों की रक्षा में लापरवाही बरत रहे पुलिस मोहकमें को कर्तव्य निष्ठा की नसीहत दे पाएगी।

अभिषेक टूर एण्ड ट्रेवल्स
शादी, पिकनिक, टूर इत्यादि के लिए
बुलेरो, कार बुकिंग के लिए संपर्क करें
रेल्वे स्टेशन चौक बुढ़ार,
जिला-शहडोल (म.प्र.)
आशीष नामदेव
मोबाइल नं.- 7000451459, 9516057136, 9826221682

खबर संक्षेप

चाट और फास्ट फूड दुकानों का औचक निरीक्षण, सफाई को लेकर दिए गए निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा

प्रशासन द्वारा स्ट्रीट फूड वेंडर और फास्ट फूड विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण मुख्य रूप से तहसील जयसिंहनगर एवं ब्यौहारी के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित चाट और फास्ट फूड दुकानों पर केंद्रित रहा।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी एस. के. तिवारी ने दुकानदारों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सही खाद्य योजकों का सीमित और सुरक्षित मात्रा में प्रयोग, दुकानों के आसपास सफाई बनाए रखना, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता और खाद्य सामग्री को ढककर सुरक्षित ढंग से विक्रय करने के लिए सख्ती से निर्देशित किया।निरीक्षण के समय दुकानों पर उपलब्ध विनेगर, तेल, मसाले, तथा तैयार खाद्य पदार्थों की मौके पर ही जांच की गई।

दुकानदारों को गुणवत्ता के प्रति सजग रहने और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता न करने की चेतावनी दी गई।

पक्षी मित्र अभियान युवाओं की

युवाओं ने गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए सकोरा व तुलसी पौधा भेंट कर दिखाई जागरूकता

शहडोल। भीषण गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के लिए जल और दाना उपलब्ध कराने की दिशा में युवा टीम उमरिया द्वारा चलाए जा रहे पक्षी मित्र अभियान की पुलिस उप महानिरीक्षक शहडोल रेंज सुश्री सविता सोहाने ने सराहना की है। इस अवसर पर युवाओं ने डीआईजी को सकोरा (पानी रखने का पात्र) और तुलसी का पौधा भेंट किया। डीआईजी सविता सोहाने ने कहा कि यह अभियान न केवल एक मानवीय संवेदना का प्रतीक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक प्रेरणादायक पहल है।

उन्होंने कहा कि, "भीषण गर्मी में जब हम इंसानों को भी पानी की कमी बेचैन कर देती है, तो बेजुबान पक्षियों की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। ऐसे समय में यदि हम अपने घर या आसपास उनके लिए पानी और दाने की व्यवस्था करें, तो यह एक बड़ा पुण्य का कार्य होगा। इस अवसर पर पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, शिखा बर्मन सहित अन्य जागरूक नागरिक भी उपस्थित रहे।

रामपुर खड़ा एसईसीएल सोहागपुर एरिया में चल रही मनमानी बर्दाश्त नहीं- भूपेश शर्मा

सिंगरौली। एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अंतर्गत रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना के प्रभावित किसानों को नहीं दी जा रही सुविधा आश्रित हो रहे परेशान जबकि मानव अधिकार के अंतर्गत स्वास्थ्य शिक्षा चिकित्सा पेयजल आवास जैसे मूलभूत सुविधाओं के लिए किसानों के आश्रित हो रहे परेशान रामपुर खड़ा बलिया इन तीन गांव के किसानों के आश्रितों को रोजगार उपलब्ध करा दिया गया है जिसमें ज्यादातर आश्रितों को दूर-दूर जोहिला वासुदेव कुष्मांडा गेवरा एरिया में भेज कर उन्हें सजा दे दिया गया यह कहते हुए उनसे पशुवत व्यवहार किया जा रहा है कि आप लोगों के गार्जियन आए दिन आंदोलन करते हैं उन्हें नहीं रोकेंगे तो आप लोगों को इसी तरह से परेशान किया जाएगा कुछ बच्चों की स्थिति मेडिकल अनफिट अंडरग्राउंड के कारण हो गए स्वास्थ्य उनके साथ नहीं दे रहा है स्वास्थ्य चिकित्सा उपरांत उन्हें यह लिख कर दिया गया अंडरग्राउंड में काम के योग नहीं है सच कहूं तो बच्चे और उनके आश्रित बहुत परेशान हैं इसके साथ ही स्थानी नियम अनुसार बच्चियों को सुहागपुर अंतर्गत विभिन्न कार्यालय में पदस्थापना किया गया है बच्चियों को शिफ्ट में ड्यूटी दिया जा रहा है उन्हें किसी प्रकार से कोई सुविधा नहीं दी जा रही है कमरे के लिए किए गए आवेदनों को सक्षम अधिकारियों के द्वारा स्कूटी कराई जाए तो तथ्य सामने आएंगे कई कई बार कार्मिक प्रबंधक महोदय सहायक कम प्रबंधक महोदय जी को इन सभी विषयों से अवगत कराया गया किसान नेट सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा द्वारा

बताया गया जो विषय ऊपर दी गई है उसके अतिरिक्त पुनर्वास पुनर्स्थापना पर संपत्ति की मुआवजा पेंडिंग रोजगार की फाइलों के विषय में कमांडर के अल्प प्रयास के दौरान एक प्रतिनिधिमंडल के द्वारा गेस्ट हाउस सुहागपुर में मिलकर समस्याओं से अवगत कराया गया उन्होंने कहा अति शीघ्र कार्यवाही की जाएगी इसके बाद से अभी तक किसी प्रकार से कोई ऐसा नया काम नहीं हुआ बल्कि मेडिकल सुविधा आवास सुविधा जैसे गंभीर विषयों को लेकर महाप्रबंधक महोदय सुहागपुर एरिया श्री पी कृष्णा साहब को मिलकर बात करने के लिए श्री शर्मा जी द्वारा निवेदन किया गया जब समय अभाव हुआ उन्होंने दूरसंचार के माध्यम से इन सभी समस्याओं को अति शीघ्र निपटाना के लिए कहकर जवाब दिया गया लेकिन आज तक किसी भी समस्याओं का समाधान के रास्ते नहीं दिख रहे हैं किसानों के द्वारा चेतावनी दी गई है की एक सप्ताह के अंदर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों के द्वारा सामूहिक रूप से उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी प्रबंधन एवं प्रशासन की होगी इन सभी विषयों को लेकर लिखित रूप से पूर्व में प्रशासन एवं प्रबंधन को दी गई है एक बार नहीं कई-कई बार दी गई है लेकिन कोई रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है किसानों के आश्रित अपने बुजुर्गों को बेघर होकर के कहां रखें उनको समझ नहीं आ रहा है क्योंकि रामपुर की स्थिति रहने लायक इसलिए नहीं है आए दिन बृहद ब्लास्टिंग के कारण घरों में दरारें आ रहे हैं स्कूल भवन में बच्चों के बैठने के लायक जगह नहीं है जलस्तर एकदम नीचे चला गया है पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है टैंकर द्वारा पानी वितरण की जाती है लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं है पानी वितरण को लेकर भी जो क्राइटेरिया निश्चित की गई है वह पर्याप्त नहीं है मेडिकल सुविधा को लेकर स्वास्थ्य कैंप तो नहीं लग रहा है जो रोजगार में उतर चुके हैं को मेडिकल कार्ड भी जारी नहीं की जा रही है बच्चियों को आने-जाने में कई तरह के साधनों को लेकर के सुविधा हो रही है सबके पास अपना स्वयं का साधन नहीं है रामपुर से सीधे सोहागपुर आने के लिए कोई रोडवेज की साधन भी नहीं है गहराई से इस विषय पर प्रबंधन एवं प्रशासन चिंतन कर इन सभी कामों को लेकर भिन्न-भिन्न जिम्मेदार प्रबंधन के अधिकारियों को अति शीघ्र निर्देश करें समस्या का समाधान हो अन्यथा किसानों का उग्र रूप खदान को बंद करते हुए सड़क में सामना करें।

निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से मासूम की मौत, गांव में पसरा मातम

शहडोल। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांसा गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में पांच वर्षीय बालक की मौत हो गई। विनीत बैगा नामक बालक अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए एक निर्माणाधीन मकान के पास पहुंचा था, जहां अचानक एक दीवार उसके ऊपर गिर गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए बालक को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विनीत अपने दोस्तों के साथ खेलते-खेलते उस निर्माणाधीन मकान की ओर गया था, जो कि उसके ही परिवार का बताया जा रहा है। खेलते समय अचानक दीवार भरभराकर उसके ऊपर गिर पड़ी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथ में मौजूद बच्चों ने घटना की सूचना तुरंत परिजनों को दी, जिन्होंने आनन-फानन में विनीत को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर जयसिंहनगर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी एसपी चतुर्वेदी ने बताया कि यह मकान विनीत के परिवार का ही है और मामले की जांच की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और जांच के तहत यह भी देखा जा रहा है कि दीवार की निर्माण गुणवत्ता में कोई खामी तो नहीं थी।

खलिहान में रखी गेहूं की फसल में लगी आग , लाखों की फसल जलकर खाक

ब्यौहारी। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरपाखा के रंगीटोला में रविवार को खलिहान में रखी गेहूं और अरहर की फसल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और किसान की 17 ट्रॉली गेहूं और 3 ट्रॉली अरहर की फसल जलकर पूरी तरह खाक हो गई। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार, खेत से कटाई कर खलिहान में रखी गई फसल में अचानक आग भड़क उठी, ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और लाखों की

फसल जलकर नष्ट हो गई, किसानों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन एक घंटे तक भी दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। समय पर दमकल पहुंचती तो शायद नुकसान को रोका जा सकता था। प्रभावित किसान गहरे सदमे में हैं, क्योंकि उनकी महीनों की मेहनत कुछ ही पलों में राख में तब्दील हो गई। किसान ने शासन-प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर रही है और आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

रातभर चला थानों का आकस्मिक निरीक्षण, पुलिसिंग व्यवस्था पर दिया गया जोर

शहडोल। मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर शहडोल जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार रात 11 बजे से शनिवार तड़के 4 बजे तक जिले के विभिन्न थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी शामिल रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने थानों की समग्र व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। इसमें सुरक्षा प्रबंधन, रजिस्टर और रिकॉर्ड संधारण, स्टाफ की उपस्थिति, बंदियों की स्थिति, असलहा कक्ष, सीसीटीवी कैमरे, मालखाना और गश्ती व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।कई थानों में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, जबकि कुछ स्थानों पर लापरवाही और अनियमितताएं पाई गईं, जिन्हें लेकर संबंधित अधिकारियों को सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आमजन की सुरक्षा में कोई ढिलाई न बरती जाए और थानों में तैनात पुलिस बल हर समय सतर्क रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गहिरा नाला में किया गया श्रमदान

उमरिया। जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत जल संसाधन विभाग उमरिया के अधिकारियों कर्मचारियों एवं ग्राम पंचायत धौरई जिला उमरिया के सरपंच,सचिव एवं गांव के अन्य वरिष्ठ व्यक्तियों के श्रम सहयोग के द्वारा गहिरा नाला के बसघटी घाट मे पानी की धारा को रोककर पानी संचित करने हेतु बोरी बंधान का कार्य प्रारंभ किया गया। गहिरा नाला में स्थित बसघटी घाट ग्राम पंचायत धौराई के अंतर्गत ग्राम मोहतराई में स्थित है। और यहीं से घुनघुटी से बलवई रोड भी निकली हुई है। इस रोड से आने जाने वाले यात्रियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।बोरी बंधान कार्य की शुरुआत जल संसाधन संभाग उमरिया के कार्यपालन यंत्री एस के ठाकुर अनुविभागीय अधिकारी एसके जाटव उप यंत्री सुश्री साक्षी सिंह स्थल सहायक अशोक कुमार अग्निहोत्री चौकीदार मुन्नालाल पनिका रामलाल पनिका इनके अतिरिक्त ग्राम पंचायत के सरपंच राजेश सिंह सचिव शैलेंद्र तिवारी पाच संतोष सिंह,सोहनलाल इंद्रपाल,संतलाल एवं गांव के लगभग एक दर्जन सहयोगियों द्वारा की गई।

जल बचाने के लिए जरूरी है सामूहिक प्रयास : कलेक्टर

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पड़मनिया खुर्द में लगी जन चौपाल

शहडोल। जल संरक्षण और जल संवर्धन की महत्ता को समझाने के लिए शहडोल जिले में जन-जागरूकता अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पड़मनिया खुर्द में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए।

जन चौपाल को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा, "जल को बचाने की जिम्मेदारी केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देना है, तो हमें आज से ही जल संरक्षण के उपाय अपनाने होंगे। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती, इसलिए इसका हर बूंद अमूल्य है।"इस अवसर पर जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरेंद्र धुर्वे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुद्रिका सिंह, ग्राम की सरपंच श्रीमती कमलेशिया बैगा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे, उपसरपंच अनिल साहू, परामर्शदाता अनुराग निगम सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न उपायों और तकनीकों पर चर्चा की गई, साथ ही स्थानीय लोगों को अपने घरों और खेतों में जल संचयन करने के लिए प्रेरित किया गया। जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे वर्षा जल को संचित करने, नालियों की सफाई रखने और जल स्त्रोतों की रक्षा करने जैसे छोटे-छोटे कदमों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

सूर्य की तेज धूप के कारण लगातार बढ़ रहा तापमान

कोतमा। अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। सूर्य की तेज धूप के कारण दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग दोपहर में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। कोतमा नगर में दोपहर में सड़कें सूनी नजर आ रही है। लेकिन वर्तमान में शादी ब्याह का मूहूर्त होने के कारण लोग दोपहर मे भी दुकानों में खरीददारी करने पहुंच रहे है। धूप से बचने के लिए चेहरे को ढककर निकल रहे हैं। खीरा-ककड़ी की मांग बढ़ी स्थानीय लोग गर्मी से राहत पाने के लिए खीरा और ककड़ी का सहारा ले रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, खीरा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करता है। बाजार में खीरा 15-20 रुपये प्रति किलो और ककड़ी 40 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। शहर के चौक-चौराहों पर नींबू पानी और शिकंजी के ठेले लग गए हैं। बाजार में आम, तरबूज और अंगूर की दुकानें भी सज गई हैं।

सब्जी मंडी से लेकर सड़क किनारे तक ठंडे फलों की बिक्री जोरों पर है। नगर में जगह-जगह चिलचिलाती धूप मे सड़कों पर दुकानदारों के द्वारा खीरा ककड़ी तरबूज की दुकान मे बैठकर बिक्री कर रहे हैं। चिलचिलाती धूप के कारण दोपहर में सड़कें वीरान नजर आ रही हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग घरों में रहना पसंद कर रहे हैं। नगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी लोग गर्मी से परेशान हैं।

गर्मियों में ज्यादा खाया जाता है खीरा

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में चारों ओर मौसमी फल और सब्जियां दिखाई देने लगती है. इस बार बाजार में खीरे की भरमार देखने को मिल रही है. गर्मी में इसकी बिक्री बढ़ जाती है. क्योंकि खीरा भारी गर्मी में शरीर में पानी की कमी को पूरा कर ठंडक देता है. यही वजह है कि गर्मी के मौसम में लोग रोजाना अपने डाइट में खीरे को शामिल करते हैं। गर्मियों में अक्सर प्यास बहुत ज्यादा लगती है इसलिए लोग ठंडी चीजें खाना पसंद करते हैं. खीरा हमारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद भी होता है. खीरा में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, इसलिए खीरा खाने से बॉडी को पानी मिलता है। शायद यही वजह है कि खीरा गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाता है. यह बॉडी को डिटॉक्स करने, बॉडी में ठंडक बनाए रखने और स्किन केयर में लाभदायक होता है। कुछ लोग खीरा खाने के साथ-साथ चेहरे पर लगाते भी हैं। खीरे को काटकर उसे आंखों के ऊपर लगाकर कुछ मिनट तक रखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इनके स्लाइस को आंखों के ऊपर रखने से आपको आंखों के अंदर होने वाली जलन से राहत मिलती है और ठंडक महसूस होता है. शायद यही वजह है कि लोग स्किन रूटीन में भी खीरा का इस्तेमाल करते हैं।

साडा एनर्जी कंपनी के खिलाफ किसानों का विरोध, संभाग आयुक्त को सौंपेगे ज्ञापन

शहडोल। कुशमहा, शाहपुर, खमरिया कला और खमरिया खुर्द सहित आसपास के गांवों के किसानों ने साडा एनर्जी कंपनी की कथित लापरवाही के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को इन गांवों के किसानों और ग्रामीणों की एक बड़ी बैठक आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

इस बैठक में प्रमुख रूप से सामाजिक कार्यकर्ता रविकांत द्विवेदी, भूपेश, ग्राम सरपंच, उपसरपंच और अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक में कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्यों में पारदर्शिता की कमी, पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी, चिकित्सा सुविधा, पेयजल संकट, परिवहन सुविधा की कमी और स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार न मिलने जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना उचित आधारभूत संरचना के खदान चालू कर दी गई है, जिससे क्षेत्र की जनता प्रभावित हो रही है और रोजमर्रा की जिंदगी कठिन हो गई है।बैठक में निर्णय लिया गया कि किसानों की समस्याओं को लेकर वे मंगलवार को जनसुनवाई में हिस्सा लेंगे। इसके तहत सुबह 11 बजे गांधी चौराहा, शहडोल में एकत्र होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को माल्यार्पण करेंगे और गीतों व नारों के साथ पदयात्रा करते हुए संभागायुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपेंगे।

शहडोल में तीन दिवसीय पुस्तक मेला सम्पन्न सस्ती दरों पर शैक्षणिक सामग्री मिलने से खिले चेहरे

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल के पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय पुस्तक मेले का सफल आयोजन किया गया। यह मेला 18 से 20 अप्रैल 2025 तक चला, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों और अभिभावकों को शैक्षणिक सामग्री सुलभ एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना रहा। मेले में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक की पाठ्यपुस्तकें, स्टेशनरी, स्कूल बैग, ड्रेस और अन्य शैक्षणिक सामग्री प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर जिले की विभिन्न अशासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रों और उनके अभिभावकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और आवश्यक सामग्री की खरीदारी की। पुस्तक मेले में सहभागिता करने वाले अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे न केवल समय की बचत हुई, बल्कि बाजार की तुलना में सामग्री किफायती दर पर भी प्राप्त हुई। आयोजन में प्रशासन द्वारा समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी, जिससे मेले में खरीदारी का अनुभव सहज और व्यवस्थित रहा।

जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार

बड़का तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया गया सफाई कार्य

शहडोल। जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधारस्र शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा हैजो प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी,पत्रकार सहित अन्य लोगों द्वारा बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई जा रही है तथा जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है। शहडोल जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पड़मनियां के बड़का तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए सफाई कार्य तथा तालाब के किनारे से गाद भी निकाली गई जिसमे कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्री नरेंद्र धुर्वे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, सरपंच श्रीमती कमलेशिया बैगा,सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री आनंद राय सिंहा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडे, उपसरपंच अनिल साहू, अनुराग निगम, जन अभियान परिषद के परामर्शदाता,जन अभियान परिषद के प्रस्फुटन समिति के सदस्य सहित अन्य लोगों बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया।

खबर संक्षेप

युकां अध्यक्ष ने शिक्षक पर मामला दर्ज करने की माँग

कटनी। बरही तहसील अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक स्कूल बालक के शिक्षक ने शिक्षा जगत को शर्मसार करने का कृत्य किया है। शिक्षक लाल प्रताप सिंह द्वारा उनके बैठ कर छोटे छोटे बच्चों को शराब पिलाई जा रही थी जिसका वीडियो वायरल होते ही हड़कंप मच गया। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने वीडियो को संज्ञान में लेकर नेशनल कमीशन ऑफ़ प्रोटेक्शन ऑफ़ चाइल्ड राइट एवं एसपी कटनी को आपराधिक मुक़दमा पंजीबद्ध करने को लेकर पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि यह घोर निंदनीय घटना है जिसने शिक्षक जगत को शर्मसार किया है। जिला प्रशासन ने शिक्षक को सस्पेंड करने की दिखावटी कार्यवाही की है जिससे हम संतुष्ट नहीं है। शिक्षक पर आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए जाने की माँग की है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के अध्यक्ष शुभम मिश्रा एवं प्रदेश सचिव अजय खटिक समेत समस्त पदाधिकारियों ने भी छात्र हितों में अशिष्ट शिक्षक पर आपराधिक मामला पंजीबद्ध ना होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

अवैध वेंडरों पर कार्रवाई कर वसूल किया जुर्माना

कटनी। रेल प्रशासन ने आकस्मिक चैकिंग का अभियान चलाते हुए डेढ़ दर्जन से अधिक वेंडरों को पकडक़र कार्यवाही की और जुर्माना लगाया। जानकारी के मुताबिक मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर कमल कुमार तलरेजा के निर्देश पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर मधुर वर्मा के निर्देशन में कटनी जबलपुर रेलखंड के बीच ट्रेनों और प्लेटफार्म पर अवैध वेंडर्स के खिलाफ कार्यवाही की गई। मंडल की स्पेशल स्कॉड टीम ने आरपीएफ जबलपुर और कटनी की मदद से ट्रेन नंबर 12182 दयोदय एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 17610 पूर्णा पटना एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 22967 अहमदाबाद प्रयागराज एक्सप्रेस में दबिश दी। इस दौरान 18 अवैध वेंडरों को पकड़ा गया। जिसमे आरपीएफ कटनी को 11 और जबलपुर को 7 अवैध वेंडर हेंड ओवर किए गए। जिनके विरूद्ध रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराओं में 137, 138, 144, 145 के तहत कार्यवाही करते हुए जुर्माना किया गया। इस दौरान अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे यात्रियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की गई।

राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 15 मई तक मौका

कटनी। राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए विमर्श पोर्टल पर 15 अप्रैल से शिक्षको से सीधे ऑन-लाइन आवेदन एवं नामांकन स्वीकार किये जा रहे हैं। आवेदन एवं नामांकन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 15 मई 2025 है। राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता, चयन के मापदण्ड, समय-सारणी और अन्य जानकारी कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।

पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी खेलवृत्ति

कटनी। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय द्वारा वर्ष 2024 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह खेल वृत्ति मध्यप्रदेश शासन के खेल और युवा कल्याण संचालनालय द्वारा 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को दी जाएगी। खेल वृत्ति के तहत स्वर्ण पदक विजेताओं को 10 हजार रुपए, रजत पदक विजेताओं को 8 हजार रुपए, एवं कांस्य पदक विजेताओं को 6 हजार की राशि प्रदान की जाएगी। यह लाभ केवल उन्हीं खिलाड़ियों को मिलेगा जो राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। हालांकि, मध्यप्रदेश राज्य खेल अकादमी, प्रशिक्षण केंद्र, केंद्र, फीडर सेंटर या भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत प्रशिक्षणरत खिलाड़ियों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी आवेदन जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, से प्राप्त कर जमा कर सकते हैं।

वेण्डर फर्म चलवा रहा सचिव, निर्माण कार्य भी गुणवत्ताविहीन

वर्षों से तीन पंचायतों का प्रभार लिए बैठा, ग्रामीण परेशान

शहडोल।

ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए लागू की गई त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है और ग्रामीणों की बजाय सरपंच व सचिवों की काली कमाई का जरिया बन चुकी है। विकास के नाम पर हर साल शासन द्वारा पंचायतों को करोड़ों रुपए आवंटित किए जाते हैं लेकिन उस बजट से कितना विकास होता है, यह सर्वविदित ही है। एक पंचायत में वर्षों से जमे सचिव पंचायती राज व्यवस्था को सर्वाधिक रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं।

संभागीय मुख्यालय के समीप तथा पाली जनपद अंतर्गत स्थित चौरी पंचायत में भी वर्षों से भ्रष्टाचार मचा हुआ है, लेकिन उसकी कोई खोज खबर नहीं ली जा रही है। यहां पदस्थ सचिव के पास तीन पंचायतों का प्रभार है और वह वर्षों से जमा हुआ है। हालत यह है कि इसने एक अन्य नाम से वेण्डर फर्म खोल कर मटेरियल सप्लाई कर रहा है और अनुचित रूप से रकम आहरित कर रहा है। यही नहीं अन्य निर्माण कार्य भी गुणवत्ताविहीन कराए गए हैं, जिनमे की गई धांधली ग्रामीणों की चर्चा का विषय बनी हुई है।

फर्म चला रहा सचिव

ग्रामीणों ने बताया कि चौरी के सचिव ने दो ट्रैक्टर खरीदे थे और उसे बकेली ग्राम के एक जयसवाल नाम के व्यक्ति के माध्यम से चलवाता है। दरअसल जयसवाल के नाम से वेण्डर फर्म संचालित कर पंचायतों के लिए पूरी निर्माण सामग्री यहीं से सप्लाई करवाता है। चूंकि चौरी के अलावा सचिव के पास दो अन्य पंचायतों का भी प्रभार है इसलिए तीनों पंचायतों में जमकर मटेरियल सप्लाई करा रहा है। सस्ती घटिया सामग्रियां ऊंचे दामों पर दर्शा कर बिल निकाले जाते हैं। निर्माण कार्यों में यही घटिया सामग्रियां लगवाई जाती हैं। इसके अलावा अन्य कार्यों के माध्यम से भी सचिव पैसा पीट रहा है। हालांकि ग्रामीणों ने इसके एक निर्माण कार्य की शिकायत भी की थी लेकिन जनपद पाली सीईओ ने उसे नजरअंदाज कर दिया। सचिव के द्वारा ग्रामसभाओं व पंचायतों की बैठकों का नियमित आयोजन नहीं किया जाता है।

अमृत सरोवरों का हाल बे हाल

पानी की उपलब्धता के लिए पंचायत में अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जाना था, इसकी वर्षों पूर्व स्वीकृति आई थी और शासन ने भारी भरकम बजट दिया था, लेकिन कहीं भी प्रावधानों के अनुरूप और निर्माण के तकनीकी मानकों के अनसार निर्माण कार्य नहीं कराए गए हैं। बताया गया कि कुछ तालाबों में थोड़ा बहुत काम कराकर उसे ही अमृत सरोवर बता दिया गया है। तालाबों में कहीं भी पानी नहीं है, शासन का पैसा फूंक दिया गया लेकिन कोई लाभ नहीं मिला। हालत यह है कि यहां मवेशियों के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। यदि शासन अमृत सरोवरों की जांच पड़ताल करे तो यह चौरी में कहीं भी अमृत सरोवर मानकों के अनुरूप बने दिखाई नहीं पड़ेंगे। वास्तव में चौरी में अमृत सरोवर बनवाए ही नहीं गए हैं।

निर्माण में किया गड़बड़झाला

चौरी पंचायत में ग्रामीणों की सुविधा के नाम पर कुछ सीसी सडक़ों का निर्माण कराया गया था जो कि अत्यंत घटिया दर्जे का था, सडक़ों पर दरार उभरने लगी है, इनमें सीमेंट, लोहा आदि का प्रयोग बहुत कम किया गया है, जबकि रकम पूरी आहरित की गई है। इसी तरह अन्य निर्माण कार्य भी गुणवत्ताविहीन कराए गए है। सडक़ों का हाल तो ऐसा है कि कुछ ही समय में दम तोड़ जाएंगी। शासन ने वाटर हार्वेस्टिंग के लिए कुछ वर्षों पूर्व राशि आवंटित की थी लेकिन सोकपिट समुचित रूप से नहीं बनवाए गए हैं। एक तो निर्धारित लक्ष्य से कम काम हुआ है, दो, चार-छह सोकपिट बनवाकर छुट्टी पा ली गई है। जो सोकपिट बने हैं वे भी आधे अधूरे बने पड़े हैं। सचिव किस तरह काम कर रहा है, अगर इसके कार्यकाल की जांच की जाए तो ल बा गड़बड़झाला उजागर हो सकता है।

पानी का बढ़ रहा संकट

पंचायत के अंदर पानी का संकट दिनोदिन गहराता जा रहा है, नल जल योजना का तो कोई आसरा ही नहीं है, हैण्डपंप भी जवाब देते जा रहे हैं। मुहल्लों में कई हैण्डंपंप तो दूषित पानी देने लगे हैं और कुछ कोलेप्स होने की कगार पर पहुंच गए हैं, कुछ गिनती के ही हैण्डपंप शेष हैं जिनमें ग्रामीणों की भीड़ लगी रहती है। चूंकि प्राकृतिक जलाशयों का रखरखाव पंचायत ने कभी समुचित रूप से किया नहीं बल्कि इनका उल्टा दुरुपयोग ही हुआ है, इसलिए इनसे भी पानी का कोई सहारा नहीं मिल पा रहा है। पंचायत ने जल परिवहन करने की भी कोई व्यवस्था नहीं की है। ग्रामीणों को दूर दराज के जल स्त्रोतों में पानी के लिए दौड़ लगानी पड़ेगी। आने वाले मई-जून के महीनों में तो चौरी पंचायत में पानी का हाहाकार ही पड़ेगा, अभी से कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक सहित, जिले के राजपत्रित अधिकारियों ने देर रात्रि थाने एवं चौकियों का औचक निरीक्षण किया

शहडोल।

पुलिस महानिदेशक के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थानों एवं चौकियों का निरीक्षण करने निकले जिले के पुलिस राजपत्रित अधिकारी जो मौके पर पहुंचकर थाने का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। 19.अप्रेल दर रात्रि पुलिस महानिरीक्षक अनुराग शर्मा शहडोल जोन के द्वारा थाना कोतमा एवं उप पुलिस महानिरीक्षक सविता सुहाने शहडोल ने थाना खैरहा का निरीक्षण कर क्षेत्र भ्रमण एवं पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव ने थाना जयसिंहनगर का औचक निरीक्षण कर निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर मे हवालात, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, सी.सी.टी.वी, संधारित विभिन्न रजिस्टर थाने पर रखें बलवा डिल एवं अन्य दासतावेजो की जांच पड़ताल कर थानाप्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने जैतपुर थाने का आकस्मिक निरीक्षण कर रोजनामचा, हवालात, शस्त्र ग्रह, अन्य दास्तां वेज का निरीक्षण कर बीड प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस दौरान थाना प्रभारी आर के गायकवाड़ एवं समस्त पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

चलती बुलेट बाइक में लगी आग से मची अफरा तफरी

कोतवाली थाना अंतर्गत सत्यनारायण मंदिर के पास शनिवार को चलती बुलेट में आग लग गई। रिहायसी इलाके में एक बुलेट में अचानक लगने से अफरा-तफरी मच गई। बताया जाता है कि एक व्यक्ति बाजार से घर जा रहा था तभी मस्तराम अखाड़ा सत्यनारायण मंदिर के पास अचानक चलती बुलेट मे आग लग गई। जलती बाइक को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस दौरान बुलेट चालक ने बड़ी सूझ-बूझ से गाड़ी से कूद कर खुद की जान बचाई। स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाई गई। प्रत्यक्षदर्शी राजू कुशवाहा ने बताया कि एक युवक बुलेट बाइक से जा रहा था। जैसे ही वह मस्तराम अखाड़ा सत्यनारायण मंदिर के पास पहुंचा तो बुलेट के इंजन के पास से धुआं निकलने लगा। उसने बाइक खड़ी कर दी। जलती बाइक को देखने लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाने का कोशिश की।

पर्यावरण संरक्षण और भूमि की उर्वरता बनाए रखने की दिशा में पहल

हैप्पी एवं सुपर सीडर कृषि यंत्रों से किसान नरवाई में ही कर सकते हैं सीधी बुवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नरवाई प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी, मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसानों को हैप्पी सीडर और सुपर सीडर कृषि यंत्रों पर अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए कृषकों से ई-अनुदान डीबीटी पोर्टल (www.dbt.mpdage.org) के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिले के इच्छुक किसान 4500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट सहायक कृषि यंत्री के नाम से बनाकर पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। हैप्पी सीडर पर अधिकतम 81 हजार 400 रुपए तथा सुपर सीडर पर 1लाख 20 हजार तक का अनुदान मिलेगा।

आधुनिक तकनीक से नहीं जलाना पड़ेगी नरवाई

हैप्पी सीडर और सुपर सीडर जैसे उन्नत कृषि यंत्रों की सहायता से किसान धान, मूंग, गेहूं एवं सोयाबीन की कटाई के उपरांत खेत की खड़ी नरवाई में ही सीधी बुवाई कर सकते हैं। इन यंत्रों से एक ही प्रक्रिया में जुताई, बीज बुवाई और खाद डालने का कार्य संभव होता है, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होती है। साथ ही, पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

नरवाई या पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है और पर्यावरण प्रदूषित होता है। इससे लाभदायक सूक्ष्म जीव तथा केंचुए नष्ट हो जाते हैं और जैविक खाद निर्माण रुक जाता है। अतः किसानों से अपील है कि वे हैप्पी सीडर और सुपर सीडर जैसी तकनीकों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें और अपनी भूमि की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखें।

सरकार की पहल से बढ़ेगा टिकाऊ कृषि की ओर कदम

सरकार की यह पहल किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर टिकाऊ कृषि प्रणाली की ओर अग्रसर करने का एक प्रयास है। अधिक से अधिक किसान इस योजना का लाभ उठाएं और उन्नत खेती की दिशा में कदम बढ़ाएं।

ट्रैक्टर टालियों से रेत एकत्र कर महंगे दामों में कर रहे विक्रय

नियमों को ताक पर रखकर माफिया कर रहे अवैध उत्खनन, जिम्मेदार मौन

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

उमरियापान क्षेत्र में बेलकुण्ड नदी के रास्तों पर अवैध रूप से रेत का उत्खनन शुरू हो रहा है। बेलकुण्ड नदी में पोंडी खुर्द, पोंडी कला, कछारगांव छोटा से घुघरा,घुघरी, बिछिया बरौदा,टोपी-धोरेशर तक नदी को बुरी तरह खोदकर उत्खनन किया जा रहा है। आसपास के क्षेत्रों में न केवल रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है, बल्कि परिवहन भी किया जा रहा है। जिसे रोकने का सिर्फ दावा लगातार जिला प्रशासन व खनिज विभाग द्वारा किया जाता रहा है। नदी में रेत माफिया स्थानीय मजदूरों से रेत का खनन कराते हैं। मौका पाकर ट्रैक्टर- ट्रॉलियों से नदी की खनिज संपदा को गांवों में लाकर महंगे दामों में बेचते हैं। जिससे खनिज विभाग को लाखों रुपये राजस्व क्षति हो रही है। इसके बावजूद भी विभाग के जिम्मेदार रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि माफियाओं ने नदी के बीच जगह जगह बड़े बड़े गढ्ढे बना दिये हैं। पानी की तलाश में भटक रहे मवेशी गड्ढों में गिरकर अपना दम तोड़ रहे हैं।

उमरियापान- ढीमरखेड़ा क्षेत्र में बगैर वाहन का पंजीयन कराए रेत, मुरुम और गिट्टी सहित अन्य खनिज संपदा का परिवहन नियम विरुद्ध हो रहा है। रेत का अवैध खनन होने से जलीय जीव बेमौत मर रहे हैं। माफियाओं ने नदी के किनारों को खोद-खोदकर छलनी कर दिया है, जिससे बेलकुण्ड नदी का स्वरूप ही बिगड़ गया है। रेत माफियाओ ने नदी के किनारे ही छोटे-छोटे टीले बनाकर रेत का स्टाक कर रखा है। बारिश के सीजन में जब बेलकुण्ड नदी उफान पर होती है, तब रेत माफिया स्टाक किए गए रेत को महंगे दामों में खपाते हैं। अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाई के अभाव में रेत माफियाओं अपने काम में सफल हो रहे हैं।

इनका कहना है

इस संबंध में एसडीएम विन्की सिंहमारे का कहना है कि बेलकुण्ड नदी से अवैध तरीके से रेत निकाले जाने की शिकायत मिली है। नदी में रेत का उत्खनन रोकने तहसीलदार और नायाब तहसीलदार को निर्देशित किया है कि मौके पर पहुँचकर अवैध खनन कर रहे माफियाओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करें।

30 अप्रैल तक पात्र परिवारों के ई-केवायसी पूर्ण कराने के निर्देश

घर घर जाकर ई केवायसी पूर्ण कराने किया गया निर्देशित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 अंतर्गत सम्मिलित जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों के पात्र परिवारों के 30 अप्रैल, 2025 तक शतप्रतिशत हितग्राहियों के ई-केवायसी पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं को पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों की सूची उपलब्ध कराई गई है। उन्हें विशेष अभियान के तहत घर-घर जाकर परिवारों की ई-केवायसी पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया हैं। शासन द्वारा ई-केवायसी के लिए ष्मेरा ई-केवायसीष् एप जारी किया गया हैं, जिसके माध्यम से हितग्राही अपना स्वयं एवं अपने व अन्य

किसी परिवार के सदस्यो का ई-केवायसी कर सकते हैं। आपूर्ति विभाग द्वारा ष्मेरा ईकेवायसीष् एप डाउनलोड करने के लिए लिंक दी गई है। जिसके अनुसार https://play.google.com/store/apps/details?id=com.nic.facialauth एवं https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.uidai.facerd

कैसे होगी ईकेवायसी

उक्त दोनो लिंक के माध्यम से एण्ड्राईड मोबाईल में ष्मेरा ई-केवायसीष् एप डाउनलोड किया जा सकता हैं। एप में ई-केवायसी किए जाने की प्रक्रिया के लिए पात्र हितग्राहियों के आधारकार्ड में लिंक मोबाईल नम्बर में प्राप्त ओटीपी के आधार पर फेस ई-केवायसी विकल्प आने पर हितग्राही की ई-केवायसी करने संबंधी सहमति की घोषणा को स्वीकृत कर मोबाईल फोन का फ्रंट कैमरा ओपन होने पर अपना चेहरा गोले के अंदर दिखाया जाना होगा, उसका रंग हरा होने के बाद हितग्राही को अपनी पलको को कैमरों के सामने दो बार झपकाना होगा तत्पश्चात ई-केवायसी सफल होने पर मोबाईल स्क्रीन पर ई-केवायसी सफल का संदेश प्राप्त होगा।

इस एप के माध्यम से हितग्राही का बच्चा या वृद्ध होने के स्थिति में उनके माता-पिता या उनकी संतान किसी के मोबाईल फोन पर एप डाउनलोड कर ई-केवायसी की जा सकती हैं। ष्मेरा ई-केवायसी ष्एप में हर हितग्राही के पास फोन की बाध्यता नहीं हैं अर्थात एक फोन से कई हितग्राहियों का ई-केवायसी किया जा सकता हैं, जिस हितग्राही का ई-केवायसी किया जाना है, उनका आधार से लिंक मोबाईल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त कर ई-केवायसी किया जा सकता हैं।

जिले के सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न प्राप्त करने वाले हितग्राहियों से अपील की गई हैं कि नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता द्वारा पीओएस मशीन के माध्यम से की जा रही ई-केवायसी के लिए संपर्क करें अथवा शासन द्वारा जारी मोबाईल एप ष्मेरा ई-केवायसी के माध्यम से स्वयं अपने मोबाईल में एप डाउनलोड कर स्वयं का एवं परिवार के अन्य समस्त सदस्यो का ई-केवायसी करें। इसके अतिरिक्त किसी परिवार का कोई सदस्य जिले से मध्यप्रदेश के अंदर अन्य जिले में किसी कारणवश निवासरत हैं, उन्हे भी दूरभाष पर सम्पर्क कर ई-केवायसी करने हेतु सूचित करें, ताकि उन्हें शासन की योजना का शतप्रतिशत लाभ प्राप्त हो सके।

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी को अभिलेख प्रस्तुत करने सूचना पत्र प्रेषित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निगमायुक्त ने 7 दिवस के अंदर जानकारी देने के दिये निर्देश

ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी द्वारा पूर्व में व्यवसाय हेतु भूखंड, प्लाट आवंटित किये जाने हेतु आवेदन नगर पालिक निगम में प्रस्तुत किया गया था। वर्तमान में नगर की सुचारू यातायात व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ट्रांसपोर्ट नगर एवं भूमि आवंटन संबंधी प्रक्रिया प्रगतिरत है।

निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देश पर प्राधिकृत अधिकारी राजस्व जागेश्वर पाठक द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी में नगर के 11 ट्रांसपोर्ट व्यवसायी को भूमि आवंटन संबंधी आगामी कार्यवाही को दृष्टिगत रखते हुए ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों से वर्तमान में व्यवसाय किये जाने का स्थल एवं प्रमाणित अभिलेख सहित आवश्यक जानकारी पत्र प्राप्ति के 7 दिवस के भीतर समक्ष में प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया है।

प्राधिकृत अधिकारी राजस्व जागेश्वर पाठक द्वारा जिन व्यवसायी को जानकारी प्रस्तुत करने हेतु सूचना पत्र प्रेषित किया गया है उनमें राम ट्रांसपोर्ट सर्विस गुरु नानक धर्मकांटा के सामने, सुधांशु मिनरल्स रघुनाथगंज, आदित्य गुड्स ट्रांसपोर्ट, आजाद गोल्डन रोड लाईन्स, दीक्षित रोड लाइन्स शांति नगर, पटेल रोड करियर मिर्जापुर रोड, राजस्थान ट्रांसपोर्ट, केशरवानी ट्रांसपोर्ट एजेंसी कनकने स्कूल के पास, सुभाष चक्रवर्ती नई बस्ती, राज रोड लाइंस कटनी सहित मनोज ट्रांसपोर्ट एजेंसी शासकीय जिला चिकित्सालय रोड कटनी का नाम शामिल है।

खबर संक्षेप

शहर में जगह-जगह ट्रांसफार्मर के नीचे लग रही दुकान, विभाग अंजान

कोतमा। शहर में जगह-जगह लगाए गए बिजली के ट्रांसफार्मर के नीचे लगाई जा रही खाने-पीने सहित कपड़े एवं सब्जी ठेले की दुकानें किसी भी वक्त बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। लोगों द्वारा मोल लिए जा रहे इस खतरे के प्रति पावरकॉम जरा भी गंभीर नहीं है। अगर ऐसे किसी भी ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग हो गई तो कितना जान माल का नुकसान होगा इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होगा। गर्मियों में ट्रांसफार्मर पर लोड ज्यादा रहता है, इसके कारण स्पार्किंग होने की संभावना अधिक रहती है। शहर में शायद ही कोई ऐसा ट्रांसफार्मर बाकी हो जिसके नीचे दुकान न चल रही हो। खास बात तो यह है कि इसके लिए न तो मंजूरी ली जाती है और न ही किसी हादसे से निपटने के लिए कोई व्यवस्था होती है। शहर की अधिकांश मेन रोड सहित बाजार एरिया पर लगे बिजली के तार और उनके खुले डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। कई ऐसे ट्रांसफार्मर हैं, जिनकी कंडीशन काफी खराब है। फैंसिंग न होने के कारण इसकी तारें भी खुली हैं। अगर समय रहते इनको नहीं बदला गया तो ये ट्रांसफार्मर कभी भी फट सकते हैं। कई ट्रांसफार्मरों की फैंसिंग नहीं होने से ये खतरनाक बने हुए हैं। इतना ही नहीं बिजली विभाग के नियमानुसार ट्रांसफार्मरों के पास चेतावनी बोर्ड होने चाहिए। लेकिन शहर के अधिकतर ट्रांसफार्मर ऐसे हैं, जहां चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए।

नियमानुसार यह होना चाहिए

ट्रांसफार्मरों की उंचाई जमीन से कम से कम 10 फीट ऊंची होनी चाहिए। अगर चबूतरे में ट्रांसफार्मर रखा हो तो उसके आसपास घेराबंदी की जाए। भीड़भाड वाले इलाके में ट्रांसफार्मर के पास चेतावनी लिखा बोर्ड जरूर लगाना चाहिए। ट्रांसफार्मर के नीचे और सटकर दुकान, मकान, रेहड़ी फड़ी लगाने पर प्रतिबंध होना चाहिए। नगर के गांधी चौक में तो दुकानदार हद पार कर दिए हैं। ट्रांसफार्मर के नीचे सटाकर दुकान सजाई जा रही है। गर्मी का मौसम होने के कारण कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

इनका कहना है

बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे जो लोग अपनी रेहड़ी फड़ी या दुकान का सामान रखते हैं। उन्हें विभाग की ओर से कई बार समझाइश दी गई है। अगर कोई हादसा होता है तो दुकानदार और सामान लगाने वाले खुद जिम्मेदार होंगे।

राहुल कुमार श्रीवास्तव, सहायक अभियंता विद्युत विभाग कोतमा

अमरकंटक के लक्ष्मी सरोवर की जा रही साफ सफाई

अनूपपुर। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा योजना से तालाब, बावड़ी, स्टाप डैम जैसे जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। तालाबों की साफ-सफाई एवं गहरीकरण और इनकी पाल को मजबूत करने का भी कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत पुराने जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के साथ-साथ नए निर्माण कार्य आमजनता के सहयोग से किए जा रहे। इसी अनुक्रम में अमरकंटक के लक्ष्मी सरोवर के जलीय खरपतवार की साफ सफाई का कार्य जनप्रतिनिधि,आमजन, नगरीय अमले तथा सफाई मित्रों के सहयोग से किया जा रहा है। इसी तरह के कार्य जिले की सभी ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों में किए जा रहे हैं।

नदी संरक्षण पर ध्यान न दिया तो पहुंच जायेंगी समाप्ति की कगार पर

इन्ट्रो- एक ओर प्रदेश शासन द्वारा नर्मदा, क्षिप्रा जैसी बडी नदियो को सवांरने के लिये केन्द्र एवं राज्य सरकार गंभीर रहती है लेकिन स्थानीय स्तर पर क्षेत्र की जीवनदायिनी नदी को लेकर कोई कारगर कदम नही उठाए जा रहे है जिस कारण वो अपना अस्तित्व खोते जा रही है

नदी किनारे बसे सैकड़ों ग्राम व नगर हो रहे प्रभावित

संकट में जीवन दायिनी नदियों का 'अस्तित्व'

अनूपपुर।

विशेषज्ञो के अनुसार अगर नदी का यही हाल रहा तो आने वाले कुछ वर्षो मे नदी इतिहास के पन्नो मे रह जायेगी। क्षेत्र के लोगो की प्यास बुझाने वाली एकमात्र जीवन दायिनी सोन, तिपान नदी इन दिनो अपने अस्तित्व को लेकर जूझ रही है नगर एवं आस-पास के दर्जनो गांव मे पीने के पानी के साथ अन्य सुविधा प्रदान करने वाली नदी का पिछले कुछ वर्षो से हाल बेहाल होता जा रहा है छत्तीसगढ से निकलकर मध्यप्रदेश होकर गुजरने वाली नदी से दो राज्य के लोग निर्भर है लेकिन विडम्बना है कि गर्मी के शुरुआती दिनो मे ही नदी की धार सूखकर नाले के रुप मे परिवर्तित हो गई है।

नगर की जीवन दायिनी तिपान व सोन नदी के सूखने की वजह से सैकड़ों ग्राम प्रभावित हो रहे हैं। जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार काम किया जा रहा है। तालाबों की सफाई व गहरीकरण का कार्य किये जाने प्रशासन द्वारा कार्य योजना तैयार की गई है और आगे भी विभिन्न कार्य किए जाने शेष हैं। इस वर्ष की रिकार्ड गर्मी ने नदियों को सोख लिया है। अपनी धार में रेत के साथ सोने का कण लिए बहने वाली जिले की प्रमुख जीवनदायिनी नदी सोन व तिपान की हालत इन दिनों अत्यंत दयनीय है। ग्रामीण सहित बुद्धिजीवियों ने इस पर जताई चिंता है। सोन व तिपान नदी के सूख जाने के कारण सैकड़ों ग्रामीण प्रभावित हुए हैं। कई गांव में ग्रामीण नदी किनारे साग-सब्जी लगाते थे और नदी के पानी से उसकी सिंचाई करते थे। ऐसे लोगों के सामने मुसीबत खड़ी हो गई है। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि वे इस वर्ष नदी सूखने के कारण साग सब्जियों का उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। विभिन्न साग सब्जियों के अलावा तरबूज व ककडी की खेती के लिए भी ग्रामीण मोहताज हो गये है।

नदियों के सूखने का कारण कम बारिश और भीषण गर्मी

70 वर्षीय ग्रामीण राम सिंह ने बताया कि हमने कभी भी इन नदियों को इतना सूखते हुए नहीं देखा है। यह पहली बार है जब नदी में सिर्फ रेत व चट्टानें ही नजर आ रहे हैं। शहर के बुद्धिजीवी वर्ग के लोग ने भी नदी के सूखने पर चिंता जाहिर की है। गर्मी के दिन में भी जिन नदियों में पानी की तेज धार बहा करती थी वहां अब पानी की पतली लाइन ही बह रही है। इस वर्ष वर्षाकाल में बारिश कम होने और भीषण गर्मी बढ़ने को नदियों के सूखने का कारण बताया जा रहा है। भू-जल स्तर में गिरावट भी इसकी प्रमुख वजह है। हालांकि बारिश होने पर ये नदियां पुनरू लबालब हो जाएंगी पर वर्तमान में इस भीषण गर्मी में नदी में पानी नहीं होने से नदी किनारे बसे सैकड़ों गांव प्रभावित हो रहे हैं। जिस स्थान पर नदी की धार बहती थी वहां गड्ढा खोदकर कुआं बनाने के बाद लोगों को पानी मिल पा रहा है। निस्तारी के लिए भी लोगों को नदी से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। यह पहली बार हुआ है जब ये दोनों बड़ी नदियां सूखी हैं। आलम यह है कि मवेशियों के पीने के पानी की व्यवस्था के लिए नदी में बह रही पतली धार को जगह-जगह रोका गया है। इस वर्ष गर्मी ने भी रिकार्ड तोड़ा है।

नदी सिकुड़कर नाले का रुप

जल संकट को देखते हुए नगर के जनप्रतिनिधि व स्थानीय अधिकारियों को नदी-नालो के पानी के उपयोग पर सख्ती से कार्यवाही करनी चाहिए। नगर के बुजुर्गो के अनुसार कुछ साल पहले नदी मे साल भर भरपूर पानी बहता था लेकिन प्रशासन की उदासीनता के कारण अब नदी सिकुडकर नाले का रुप ले ली है जिसकी धार भी दम तोडने की कगार मे है। पर्यावरण प्रेमियो एवं नागरिको की माने तो यदि नदी के संरक्षण पर ध्यान ना दिया गया तो आने वाले समय मे नदी का अस्तित्व पूरी तरह से समाप्त हो जायेगा।

जरुरी है नादियों का संरक्षण

शासन स्तर से जल स्त्रोतो के संरक्षण को लेकर कडे निर्देशो के साथ करोडो रुपये पानी की तरह बहाये जाने के बाद क्षेत्र की मुख्य नदी के संरक्षण को लेकर कोई प्रयास नही हो रहे है नदी को बचाने के लिये न्यायालय एवं नेशनल ग्रीन टिब्यूनल के आदेश का भी पालन नही हो रहा। जगह-जगह बने डैमो मे नदी के पानी का उपयोग कपडे धोने एवं वाहनो की धुलाई के रुप मे भी किया जाता है जिसे रोकने के लिये कोई पहल नही की जाती।

हाथियों के अचानक हमले से दो परिवार के सदस्यों ने भाग कर बचाई जान

अनूपपुर।

31 दिन से अनूपपुर जिले के अनूपपुर,जैतहरी एवं राजेंद्रग्राम के ग्रामीण इलाकों में तीन हाथी में निरंतर दिन में जंगलो में ठहरकर रात होते ही कई किलोमीटर चलते हुए ग्रामीणों के मकानो में तोड़फोड़ कर खेत एवं बाडियों में लगे तथा रखें खाने के विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बना रहे हैं शनिवार को तीनों हाथी ग्राम पंचायत औढेरा के औढेरा, अकुआ के जंगल होते हुए दोपहर किरर गांव से लगे जंगल में पहुंचकर विचरण कर रहे हैं हाथियों पर निगरानी रखे जाने हेतु वनविभाग की तीन अलग-अलग गश्ती दल निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क कर सुरक्षित रहने की अपील कर रही है। विदित हो कि एक दांत वाला नर हाथी 20 मार्च को तथा दो नर हाथी 29 मार्च को छत्तीसगढ़ राज्य से अनूपपुर जिले की सीमा में प्रवेश कर 5 अप्रैल को तीनों हाथी आपस में मिलकर निरंतर विचरण कर रहे हैं जो दिन होने पर जंगलों में ठहर कर रात होते ही आहार की तलाश में जंगलों से लगे 8 से 10 किलोमीटर के ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर तथा खेत एवं बांडियो में लगे विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बना रहे हैं। विगत तीन-चार दिनों से तीनों हाथी प्रत्येक दिन दिन में जंगलों में ठहरते हुए रात होते ही नई दिशा एवं नए स्थान पर विचरण करते निकल कर ग्रामीणो एवं हाथी गस्ती करने लगे वनविभाग के कर्मचारियों को चकमा दे रहे हैं ग्रामीणों की अधिक संख्या एकत्रित होने पर तीनों हाथी जंगल नुमा स्थान पर कुछ घंटे आराम करने बाद फिर से नया स्थान तय कर विचरण करना प्रारंभ कर देते हैं। गुरुवार को तीनों हाथी गोबरी के जंगल से निकलकर देर रात गोबरी, ठेंगरहा, तिपान नदी, बेलिया कछरा गांव के विभिन्न टोला मोहल्ला में शुक्रवार को तीनों हाथी गोबरी के जंगल से निकलकर बांका, कांसा,दु, धमनिया, लखनपुर के लखनपुर, जमुनिहा, पचड़ीपानी में विचरण करते हुए शनिवार के दिन वन परिक्षेत्र, थाना एवं तहसील अनूपपुर के किरर बीट अंतर्गत अंकुश, औढेरा के जंगल से दोपहर होते-होते किरर गांव से लगे जंगल में पहुंचकर विचरण कर रहे हैं तीन दिनों के मध्य तीनों हाथियों द्वारा कुछ ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर खेत एवं बाडियो में लगे, रखे सामानों को खाया है शुक्रवार एवं शनिवार की मध्यरात्रि ग्राम बांका के कछराटोला एवं पचड़ीपानी में अचानक पहुंचे तीनों हाथियों के द्वारा अचानक घरों में हमला बोलने से दो परिवार के कई सदस्य भाग कर अपनी जान बचाई, वही वनविभाग का गश्ती दल ग्राम पंचायतो के पदाधिकारी सुरक्षाश्रमिकों एवं ग्रामीणों के सहयोग से आम जनों को सुरक्षित एवं सतर्क रहने की अपील करते हुए स्वयं भी पैदल हाथियों के विचरण के रास्ते में चलते हुए हाथियों पर नजर रख रहे हैं।

अनूपपुर में मनाई गई बाबा साहेब अंबेडकर जयंती

व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन

अनूपपुर। 6 से 14 अप्रैल तक मनाए गए सेवा पखवाड़ा के तहत विकासखंड अनूपपुर में भारतीय संविधान के शिल्पी, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्य प्रदेश शासन, विकासखंड अनूपपुर द्वारा किया गया। इस विशेष आयोजन में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रामलाल रौतेल ने अपने उद्बोधन में कहा, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने न केवल संविधान का निर्माण किया, बल्कि समाज के सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को अधिकार दिलाने का कार्य भी किया। आज की पीढ़ी को उनके विचारों को आत्मसात कर सामाजिक समरसता और न्याय की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (CMCLDP) के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह युवा वर्ग ही भविष्य का मार्गदर्शक बनेगा यदि वे अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलें। कार्यक्रम में जिला संघ चालक राजेंद्र तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा, बाबा साहेब का जीवन हमें संघर्ष, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश देता है। उन्होंने देश को वह अधिकार दिए, जो आज हमें एक समानता पर आधारित समाज की ओर ले जाते हैं। हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम उनके आदर्शों को केवल स्मरण न करें, बल्कि अपने जीवन में उतारें। P.R.T कॉलेज के संचालक डॉ. देवेंद्र तिवारी ने मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अंबेडकर के विचारों को आज के सामाजिक संदर्भ में प्रासंगिक बताते हुए युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती रश्मि खरे ने की तथा वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी आदर्श दुबे ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक न्याय और समानता के लिए जो कार्य किए, वे आज भी मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर जन अभियान परिषद अनूपपुर से परामर्शदाता श्रीमती शिवानी सिंह, शारदा चौरसिया, कृष्णा देवी, विक्रम सिंह महोबिया, दिलीप शर्मा सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (CMCLDP) के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने-अपने व्याख्यान में बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा निर्मित संविधान की महानता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक न्याय, शिक्षा, समता और बंधुत्व की भावना को समाज में प्रसारित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन परामर्श दाता दिलीप शर्मा एवं आभार विक्रम सिंह ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भरनी नदी में किया गया बोरी बंधान

अनूपपुर।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में अनूपपुर जिले के विकासखंड पुष्पराजगढ़ अंतर्गत भरनी नदी में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामूहिक रूप से श्रमदान कर बोरी बंधान का कार्य किया गया। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। बोरीबंधान कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण जनों से अपील की गई कि सभी इस अभियान से जुड़कर इसे जन अभियान का स्वरूप दें इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार की जल संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार के कार्य में आगे आए तथा इसमें अपनी सहभागिता निभाएं। आम जनता तक जल के महत्व एवं जल संरक्षण का संदेश बोरी बंधान कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया। बोरी बंधान कार्यक्रम में सम्मिलित प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत ताली सरपंच चंद्रभान सिंह ब्लॉक समन्वयक फत्ते सिंह परामर्शदाता रमेश तिवारी नवांकुर संस्था प्रमुख सुमरत पड़वार सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी दिनेश सिंह सुरजन सिंह सुरेंद्र सिंह हरि सिंह भजन सिंह प्रस्फुटन समिति के सदस्य पुष्पेंद्र कुमार मैकू सिंह समर सिंह राहुल बंजारा रमेश सिंह ग्रामीण जनों में वीरेंद्र सिंह राम सिंह गणेश सेन कमलेश साहू भूपत सिंह जितेंद्र सिंह प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

पुलिस-आबकारी विभाग की चुप्पी चिंता का विषय

डूमर कछार में महुए की कच्ची शराब का अवैध कारोबार तेज़

राजनगर।

जिले के थाना रामनगर अंतर्गत नगर परिषद डूमरकछार, राजनगर, डोला, सेमरा, फुलकोना, बरतराई, मलगा और आसपास के इलाकों में इन दिनों महुए से बनी कच्ची शराब का अवैध कारोबार पूरे चरम पर है। विशेषकर झीमर के नालों के किनारे, जहां कभी सिर्फ पशुपालन और ग्रामीण जीवन की हलचल होती थी। अब वहां दिन-रात शराब पकाई जा रही है। धुएं से भरते आसमान और सड़ते महुए की दुर्गंध पूरे क्षेत्र की हवा को जहरीली बना रही है।

कच्ची शराब का खुला कारोबार

क्षेत्र के नागरिकों का कहना है, कि यह गोरखधंधा कोई छुपा हुआ काम नहीं है। यह सब कुछ खुलेआम हो रहा है। लेकिन हैरानी की बात यह है, कि अब तक न तो पुलिस की ओर से कोई विशेष अभियान चलाया गया है, और न ही आबकारी विभाग ने सख़्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। विभागीय चुप्पी और कार्रवाई की कमी अब जनता के बीच चिंता का विषय बन चुकी है।

फाइल फोटो

अंतर्राज्यीय तस्करी का खतरा बढ़ा

डूमरकछार मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर बसा हुआ है, और यही भौगोलिक स्थिति तस्करों के लिए वरदान बन गई है। मध्यप्रदेश में तैयार की जा रही अवैध कच्ची शराब अब छत्तीसगढ़ के खोंगापानी , झगराखांड एवं अन्य बाजारों तक भी पहुंच रही है। सीमाएं पार कर रहा यह नशे का धंधा अब केवल एक जिले की नहीं, बल्कि दो राज्यों की कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौती बन चुका है।

युवाओं के भविष्य पर मंडराता खतरा

शराब की आसान उपलब्धता का सबसे गहरा असर क्षेत्र के युवाओं पर पड़ रहा है। स्कूल-कॉलेज के छात्र इस लत की चपेट में आते जा रहे हैं, जिससे समाज की नींव कमजोर होती दिख रही है। कुछ सामाजिक संगठनों ने इस पर चिंता जताई है और प्रशासन से अपेक्षा की है कि वह जल्द ही इस पर ठोस कदम उठाए।

प्रशासनिक पहल की दरकार

स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि पुलिस और आबकारी विभाग एक संयुक्त अभियान चलाकर इन अवैध ठिकानों पर सख़्ती से कार्रवाई करें। अब समय आ गया है जब नालों और झाड़ियों में पनपते इस नशे के जाल को काटा जाए, ताकि अगली पीढ़ी को बचाया जा सके।

इनका कहना है

पुलिस एवं आबकारी विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही की जायेगी।

सुमित कौशिक
थाना प्रभारी रामनगर

वाटर शेड यात्रा महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनूपपुर। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत गिरारीखुर्द में आज वाटरशेड यात्रा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य नर्मदा सिंह, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गणेश पाण्डेय, जिला परियोजना अधिकारी वाटरशेड राजेन्द्र कोसरिया आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम में विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने वर्षा जल संचयन, निर्मित खेत तालाबों को आजीविका गतिविधि से जोड़ने, मछली पालन, सब्जी उत्पादन आदि के संबंध में विचार व्यक्त किए। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम द्वारा शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की बात कही गई। कार्यक्रम में खेत तालाब, अमृत सरोवर, गैबियन संरचना, मियाबाकी पौधरोपण कार्यक्रम के संबंध में एवं आजीविका गतिविधि तथा उत्पादन प्रणाली के तहत ड्रिप स्प्रिंकलर एवं टमाटर की खेती संबंधी हितग्राही कृषकों की भागीदारी रही। इस अवसर पर हितग्राहियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा प्रशस्ति प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया।

अज्ञात युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 8 कपिला संगम के जंगल में 40 -45 वर्षीय अज्ञात युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। समाचार लिखे जाने तक फांसी लगाने वाले अज्ञात युवक की पहचान नहीं हो पाई है। अमरकंटक पुलिस आत्महत्या करने वाले पुरुष के बारे में आवश्यक जानकारी जुटा रही है। रविवार की प्रातः स्थानीय वन परिक्षेत्र अमरकंटक के बीट गार्ड जियालाल राठौर अपने नियमित जंगल गस्त के दौरान सॉल वृक्ष से एक अधेड युवक को रस्सी से लटका हुआ देखा उसने तत्काल पुलिस थाना अमरकंटक में उक्त जानकारी दी। पुलिस थाना अमरकंटक में उक्त प्रकरण पर मार्ग क्रमांक 11/25 धारा 194 बी एन एस एस कायम कर विवेचना मे लिया है। फांसी लगाने वाला अधेड़ युवक पीले रंग की शर्ट तथा काले रंग का पेंट पहना हुआ है मृतक की जेब से बस की टिकट जिसमें 130 का किराया अंकित है मिला है। अधेड़ युवक द्वारा फांसी लगाई जाने की घटना की जांच की जा रही है मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना की जांच नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी उप निरीक्षक पी एस बघेल सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव द्वारा तत्परता के साथ की जा रही है।